

public and business communities ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE ((SHRI JANARDHANA POOJARY) ; (a) The officers of State Bank of India (SBI) and its associate banks went on one day's token strike on 27th June, 1983 as a part of their agitational programme for acceptance of their demands,

(b) It is not possible to quantify the loss caused to banks, commerce, industry etc. as a result of the strike.

(c) The officers who were absent from duty on the day of the strike lost one day's wages. Besides, the bank has also instructed the Local Head offices to take severe action against officers who may have indulged in violence, intimidation or other acts of indiscipline.

Rise in Wholesale Price Index

3344. SHRI K. PRADHANI : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether Government are aware that continuing its climb the official wholesale price index for all commodities, base 1970-71, rose to yet another record high at 308.2 (provisional) during the week ended 2nd July, 1983 whereas the index was 308 during previous week ; and

(b) if so, the efforts of Government to maintain the wholesale price in order ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE) : (a) and (b) Prices usually come under seasonal pressure during this period. Since the middle of May, however, there has been a moderation in the price increase. The annual rate of inflation of the Wholesale Price Index which had increased to 9.9 per cent as on week ended May 14, 1983 has declined to 7 per cent as on week ended July 23, 1983. However, the price situation is being closely monitored. A number of steps have been taken both on the supply and demand side ; these include further strengthening of the Public Distribution System, effective use of the release mechanism in respect of sugar and edible oils, augmentation of stocks by import of wheat and rice and cautious

monetary and credit policy consistent with the requirements of the economy.

भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा पिछले तीन वर्षों में आयोजित प्रदर्शनियाँ/मेले

3345. श्री मूल चन्द डागा : क्या वाणिज्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण ने पिछले तीन वर्षों में किन-किन देशों में तथा स्थानों पर कितनी व्यापार प्रदर्शनियों तथा मेलों का आयोजन किया तथा प्रत्येक प्रदर्शनी या मेले पर कितना व्यय किया गया तथा यह खर्च किसने वहन किया ; और

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रगति मैदान में रख-रखाव पर किये गये व्यय का वर्षवार ब्यौरा क्या है तथा इसमें कितना खर्च सरकार ने उठाया ?

वाणिज्य मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्रीमती राम बुलारी सिन्हा) : (क) भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा विदेशों में पिछले तीन वर्षों में आयोजित किए गए मेलों/प्रदर्शनियों और इन मेलों/प्रदर्शनियों पर किए गए खर्च का ब्यौरा दर्शाने वाला एक विवरण सभा पटल पर रखा गया। [मन्त्रालय में रखा गया। देखिए संख्या एल टी 6875/83]। भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा सामान्य व्यापार मेलों तथा प्रदर्शनियों में भाग लेने पर होने वाला खर्च सरकार द्वारा प्राधिकरण को सहायता अनुदान के रूप में मंजूर किया जाता है। विशेषीकृत वस्तु मेलों पर होने वाले व्यय का लगभग 60 प्रतिशत सरकार द्वारा प्राधिकरण को सहायता अनुदान के रूप में मंजूर किया जाता है।

(ख) प्रगति मैदान के रख-रखाव, नवीकरण तथा सुधार पर होने वाला खर्च तथा इस उद्देश्य के लिए सरकार से पिछले तीन वर्षों में प्राप्त अनुदान का ब्यौरा इस प्रकार है :—